प्रेस –विज्ञप्ति

भारतीय तटरक्षक पोत सारथी, अपतटीय गश्ती पोत (ओपीवी)

की 09 सितंबर 2016 को कमीशनिंग

1. श्री राजनाथ सिंह, माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार ने माननीय रक्षा मंत्री, श्री मनोहर पर्रिकर एवं महानिदेशक राजेंद्र सिंह, पीटीएम, टीएम, महानिदेशक, भारतीय तटरक्षक, सीएमडी, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड एवं केंद्र तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में 09 सितंबर 16 को छह अपतटीय गश्ती पोतों की श्रेणी की तीसरी पोत भारतीय तटरक्षक पोत सारथी की कमीशनिंग की। सारथी, का अभिप्राय 'रथ को चलाने वाला' है। यह भारतीय तटरक्षक द्वारा राष्ट्र के समुद्री हितों की सेवा एवं रक्षा के संकल्प को प्रदर्शित करता है।

2. 105 मीटर लंबी अपतटीय गश्ती पोत की डिजाइन एवं निर्माण का कार्य स्वदेशी शैली में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है। इसमें नौचालन एवं दूर संचार उपकरण, सेंसर तथा कलपुर्जे नवोन्नत तथा अत्याधुनिक किस्म के लगाये गये हैं। इसकी विशेषताओं में 30 मिमी सीआरएन 91 नेवल गन, एकीकृत सेतु प्रणाली (आईवीएस), एकीकृत मशीनरी नियंत्रण प्रणाली (आईएमसीएस), शक्ति प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) तथा उच्च क्षमता से युक्त बाह्य

अग्निशामक प्रणाली सम्मिलित है। पोत को दुहरे इंजन वाले एक हल्के हेलीकॉप्टर तथा त्वरित बोर्डिंग ऑपरेशन, खोज एवं बचाव, कानून प्रवर्तन एवं समुद्री गश्त के लिए दो त्वरित नौका सहित पांच उच्च गति क्षमता वाली नौकाओं को ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। पोत में समुद्री तेल बिखराव को रोकने हेतु प्रदूषण प्रतिक्रिया उपकरण को भी ले जाने की क्षमता है।

3. दो 9100 किलोवॉट डीजल इंजनों से युक्त पोत 2500 टन (जीआरटी) भार वहन करने की क्षमता रखती है इसकी अधिकतम गति 26 नॉट है तथा मितव्ययी गति पर इसकी क्षमता 6500 नॉटिकल मील है। नवोन्नत एवं आधुनिक उपकरणों एवं प्रणाली से लैस होने तथा अपनी क्षमता एवं पहुँच के कारण पोत कमांड प्लेटफॉर्म की भूमिका निभा सकती है। यह पोत तटरक्षक घोषणा-पत्र में उद्धृत सभी कर्त्तव्यों का निर्वहन कर सकती है।

4. तटरक्षक बेड़े में शामिल होने के पश्चात् पोत की स्थापना कोच्ची में की जाएगी और यह नौसेना प्रशिक्षण स्कवाड्रन का हिस्सा होगी। इसके अलावा पोत को अनन्य आर्थिक क्षेत्र की निगरानी एवं भारत के समुद्री हितों के रक्षा के लिए परिनियोजित किया जाएगा। वर्तमान में भारतीय तटरक्षक के बेड़े में 123 पोत/नाव हैं तथा 68 पोत/नाव विभिन्न चरणों एवं विभिन्न शिपयार्डों में निर्माणाधीन है। भारतीय तटरक्षक इस पोत एवं अन्य परिसंपत्तियों की कमीशनिंग से, भारत के समुद्री क्षेत्र में उत्पन्न हो रही सुरक्षा की चुनौतियों का सामना करने वाली एक मजबूत एवं समर्थ बल के रूप में उभर कर सामने आई है।

5. भारतीय तटरक्षक पोत सारथी की कमान कमांडेंट अतुल जोशी के नेतृत्व में होगी तथा इसमें 14 अफसर एवं 98 कार्मिक तैनात होंगे। पोत का प्रशासनिक एवं संक्रियात्मक नियंत्रण कमांडर, तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम) के अधीन होगा।

6. भारतीय तटरक्षक पोत सारथी की कमीशनिंग के द्वारा विभिन्न समुद्री कर्त्तव्यों के निर्वहन में भारतीय तटरक्षक के संक्रियात्मक क्षमता में वृद्धि होगी। नवोन्नत एवं आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित अपतटीय गश्ती पोत की तैनाती से विशाल समुद्र तटीय क्षेत्र विशेषकर समुद्री प्रदेश केरल तथा लक्षद्वीप एवं मिनीकॉय के द्वीपीय क्षेत्र में बढ़ते हुए समुद्री आतंकवाद से निपटने में सहायता मिलेगी।